

# GLEGOO

otra tipografía libre de “Google”

# देवनागरी

अन्य फ़ॉन्ट मुक्त “गूगल”

26 अगस्त 2014

ओ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ऐ ए  
 ऐ औ ओ ओ औ क ख ग घ ङ च  
 छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
 न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ळ ळ  
 व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
 क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
 आ औ ऊ ऊ ज्ञ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
 दैव पूंजी वास्ते दयालुता

ओ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए  
 ऐ ओ ओ औ क ख ग घ ङ च  
 छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
 न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ऌ ड  
 व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
 क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
 आ औ अु अु ज़ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
 दैव पूंजी वास्ते दयालुता

## यूनिकोड क्या है?

यूनिकोड प्रत्येक अक्षर के लिए एक विशेष नम्बर प्रदान करता है,  
चाहे कोई भी प्लेटफॉर्म हो,  
चाहे कोई भी प्रोग्राम हो,  
चाहे कोई भी भाषा हो।

कम्प्यूटर, मूल रूप से, नंबरों से सम्बंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निष्पन्न करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। यूनिकोड का आविष्कार होने से पहले, ऐसे नंबर देने के लिए सैकड़ों विभिन्न संकेत लिपि प्रणालियां थीं। किसी एक संकेत लिपि में पर्याप्त अक्षर नहीं हो सकते हैं : उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिह्नों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी।

ये संकेत लिपि प्रणालियां परस्पर विरोधी भी हैं। इसीलिए, दो संकेत लिपियां दो विभिन्न अक्षरों के लिए, एक ही नंबर प्रयोग कर सकती हैं, अथवा समान अक्षर के लिए विभिन्न नंबरों का प्रयोग कर सकती हैं। किसी भी कम्प्यूटर (विशेष रूप से सर्वर) को विभिन्न संकेत लिपियां संभालनी पड़ती है; फिर भी जब दो विभिन्न संकेत लिपियों अथवा प्लेटफॉर्मों के बीच डाटा भेजा जाता है तो उस डाटा के हमेशा खराब होने का जोखिम रहता है।

**यूनिकोड से यह सब कुछ बदल रहा है!**

यूनिकोड, प्रत्येक अक्षर के लिए एक विशेष नंबर प्रदान करता है, चाहे कोई भी प्लेटफॉर्म हो, चाहे कोई भी प्रोग्राम हो, चाहे कोई भी भाषा हो। यूनिकोड स्टैंडर्ड को ऐपल, एच.पी., आई.बी.एम., जस्ट सिस्टम, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सैप, सन, साईबेस, यूनिसिस जैसी उद्योग की प्रमुख कम्प

नियों और कई अन्य ने अपनाया है। यूनिकोड की आवश्यकता आधुनिक मानदंडों, जैसे एक्स.एम.एल., जावा, एकमा स्क्रिप्ट (जावा स्क्रिप्ट), एल.डी.ए.पी., कोर्बा 3.0, डब्ल्यू.एम.एल. के लिए होती है और यह आई.एस.ओ./आई.ई.सी. 10646 को लागू करने का अधिकारिक तरीका है। यह कई संचालन प्रणालियों, सभी आधुनिक ब्राउजरों और कई अन्य उत्पादों में होता है। यूनिकोड स्टैंडर्ड की उत्पत्ति और इसके सहायक उपकरणों की उपलब्धता, हाल ही के अति महत्वपूर्ण विश्वव्यापी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी रुझानों में से हैं।

यूनिकोड को ग्राहक-सर्वर अथवा बहु-आयामी उपकरणों और वेबसाइटों में शामिल करने से, परंपरागत उपकरणों के प्रयोग की अपेक्षा खर्च में अत्यधिक बचत होती है। यूनिकोड से एक ऐसा अकेला सॉफ्टवेयर उत्पाद अथवा अकेला वेबसाइट मिल जाता है, जिसे री-इंजीनियरिंग के बिना विभिन्न प्लेटफॉर्मों, भाषाओं और देशों में उपयोग किया जा सकता है। इससे डाटा को बिना किसी बाधा के विभिन्न प्रणालियों से होकर ले जाया जा सकता है।

## यूनिकोड कन्सॉर्शियम के बारे में

यूनिकोड कन्सॉर्शियम, लाभ न कमाने वाला एक संगठन है जिसकी स्थापना यूनिकोड स्टैंडर्ड, जो आधुनिक सॉफ्टवेयर उत्पादों और मानकों में पाठ की प्रस्तुति को निर्दिष्ट करता है, के विकास, विस्तार और इसके प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। इस कन्सॉर्शियम के सदस्यों में, कम्प्यूटर और सूचना उद्योग में विभिन्न निगम और संगठन शामिल हैं। इस कन्सॉर्शियम का वित्तपोषण पूर्णतः सदस्यों के शुल्क से किया जाता है। यूनिकोड कन्सॉर्शियम में सदस्यता, विश्व में कहीं भी स्थित उन संगठनों और व्यक्तियों के लिए खुली है जो यूनिकोड का समर्थन करते हैं और जो इसके विस्तार और कार्यान्वयन में सहायता करना चाहते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, शब्दावली, तकनीकी परिचय और उपयोगी स्रोत देखिए।

# कुलसचिव के पत्र से कालेज प्रधानाचार्य असंतुष्ट

स्पष्ट कर देने के बाद डीयू पर दबाव बढ़ गया है। कालेज एसोसिएशन द्वारा डीयू और यूजीसी के बीच दाखिला संबंधी दिशा निर्देश को लेकर विरोधाभास की बात सामने आने पर आनन-फानन में डीयू की कुलसचिव ने कालेजों को यूजीसी द्वारा और जून को भेजे गए पत्र को ही बढ़ा दिया है। इसमें डीयू की तरफ से अतिरिक्त आदेश नहीं दिया है। इस पत्र से डीयू के कालेजों से कई प्रिंसिपल असंतुष्ट हैं। प्रिंसिपलों का कहना है कि यह पत्र भ्रामक है और इसमें डीयू की तरफ से न कोई आदेश है और न ही कोई पक्ष। कालेजों के प्रिंसिपल को सोमवार को लिखे पत्र में कुलसचिव ने लिखा है, मुझे यूजीसी के सचिव से दिनांक 22 जून, 2014 के आदेश से महाविद्यालयों को भेजे गए सम-संख्यक और सम दिनांकित पत्र को प्रेषित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है जो स्वतः स्पष्ट है। इस संबंध में कालेजों के प्रिंसिपलों का कहना है कि इस पत्र से कोई समाधान नहीं निकला है। ऐसे समय में डीयू को स्पष्ट रुख अख्तियार करना चाहिए। इधर, सोमवार की दोपहर को डीयू की वेबसाइट से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) स्टेटस की जगह स्नातक पाठ्यक्रम (यूजी) लगा दिया है।

यूजीसी के कड़े रुख के  
बाद दबाव में  
FROM ARGENTINA  
डीयू ने वेबसाइट पर  
एफवाईयूपी के स्थान पर  
लिखा यूजी राज्य ब्यूरो,  
नई दिल्ली :

कड़े फैसलों की मजबूरी संसद के बजट सत्र की तिथियों की घोषणा के साथ ही आम जनता की रेल बजट और आम बजट से उम्मीदें बढ़ जाना स्वाभाविक हैं। महंगाई से त्रस्त जनता यह चाहेगी कि बजट घोषणाएं उसके लिए कोई राहत की खबर लेकर आएं, लेकिन कटु सच्चाई यह है कि मौजूदा आर्थिक हालात में सरकार चाहकर भी जनता को राहत देने की स्थिति में नहीं। यह सही है कि सरकार तेजी से काम करने के साथ बिगड़ी चीजों को बनाने के लिए अतिरिक्त श्रम कर रही है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि वह आर्थिक हालत सुधारने के साथ कोसने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, लेकिन देश के सामने यह आना ही चाहिए कि संपूर्ण शासन ने किस तरह हालात बेकाबू हो जाने दिए। आर्थिक मोर्चे पर दुर्दशा की तस्वीर उजागर करके ही मोदी सरकार कड़े फैसलों के औचित्य

को सिद्ध करने में सक्षम हो सकेगी। पिछले दिनों रेल किराये-भाड़े में वृद्धि के फैसले से जनता को इसलिए और अधिक झटका लगा, क्योंकि सरकार ने यह फैसला लेने के पहले न तो कोई भूमिका बनाई और न ही जनता को यह बताने की जरूरत समझी कि भारतीय रेल किस तरह कंगाली की हालत के अवसरों को पैदा करने और घाटे वाली अर्थव्यवस्था से उबरने के जो तमाम उपाय कर रही है उनके बारे में जनता को अवगत कराती चले। पिछले 20-25 दिनों में केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अनेक फैसले लिए गए हैं। इनमें से कुछ फैसले बेहद महत्वपूर्ण हैं और अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाले भी हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि आम जनता इन फैसलों और उनसे होने वाले लाभों के बारे में पूरी तरह परिचित है। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो

# Buenos Aires, República Argentina

16/28pt.- Grumpy wizards make toxic brew for the evil Queen and Jack. One morning, when Gregor Samsa देवनगर woke from troubled dreams, he found himself transformed in his bed into a horrible vermin. He lay on his armour like back, and if he lifted his head a little he could see his brown belly, slightly domed and divided by arches into stiff sections. कम्प्यूटर, मूल रूप से, नंबरों से सम्बंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निर्धारित करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। यूनिकोड का आविष्कार होने से पहले, ऐसे नंबर देने के लिए सैंकडों विभिन्न संकेत लिपि प्रणालियां थीं। किसी एक संकेत लिपि में पर्याप्त अक्षर नहीं हो सकते हैं : उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिह्नों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी। El veloz murciélago hindú उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिह्नों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी। ०१२३४५६७



# चिड़ियों

## “Hummingbird”

आप फूल, छोटे पैरों और बहुत लंबे पंख के अमृत पर फ़ीड करने के लिए अनुमत देता है जो बहुत छोटी, उज्ज्वल और रंगीन पंखों, चोंच बहुत लंबी और पतली, एवेन्यू: अपने पंख फ्लैप, और पीछे की ओर उड़ान भरने में सक्षम ही पक्षी है जिसके साथ बल और गति से हवा में नलंबति मक्खियों; अमेरिका भर में फैले कई अलग अलग प्रजातियां हैं.







## यह एक चिड़ियों है

55 औंस) आपरेटगि ससि्टम Android 2.3.2  
(Gingerbread) सीपीयू 1 GHz Samsung  
Hummingbird S5PC110 (ARM Cortex A8) with  
PowerVR SGX 540 GPU मैमोरी 512 MB RAM स्टोरेज

10 KB (1,035 शब्द) - 14:46, 7 दसिम्बर 2013

## # Test File For Lohit Devanagari

# One can also test Lohit Devanagari from <http://utrrs-testing.rhcloud.com/language/hi/gsub>

# Created by Sneha Kore &lt;skore AT redhat DOT com&gt; - 2013

महाराष्ट्र शासन वर्णमाला :

स्वर : अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ओ औ औ

स्वरादी : ' :

व्यंजन : क् ख् ग् घ् ङ् च् छ् ज् झ् ञ् ट् ठ् ड् ढ् ण् त् थ् द् ध् न् प् फ्  
ब् भ् म् य् ल् व् श् ष् स् ह् ळ्

इतर व्यंजने : क्ष् ज्ञ्

अंक : ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

As per Microsoft typography for Developing OpenType Fonts for Devanagari Script, the features can be specified in the order given as :

## &gt;&gt;Localized Forms :

&lt;feature tag &gt;locl : Localized form substitution

ल श क श क

## &gt;&gt;Basic Shaping Forms :

&lt;feature tag &gt; nukt : Nukta form substitution

क ख ग ज ड ढ फ य

&lt;feature tag&gt; akhn : Akhand ligature substitution

क्ष ज्ञ

&lt;feature tag&gt; rphf : Reph form substitution

क<sup>^</sup> ख<sup>^</sup> ग<sup>^</sup> घ<sup>^</sup> ङ<sup>^</sup> च<sup>^</sup> छ<sup>^</sup> ज<sup>^</sup> झ<sup>^</sup> ञ<sup>^</sup> ट<sup>^</sup> ठ<sup>^</sup> ड<sup>^</sup> ढ<sup>^</sup> ण<sup>^</sup> त<sup>^</sup> थ<sup>^</sup> द<sup>^</sup> ध<sup>^</sup> न<sup>^</sup> प<sup>^</sup> फ<sup>^</sup> ब<sup>^</sup> भ<sup>^</sup> म<sup>^</sup> य<sup>^</sup> ल<sup>^</sup> व<sup>^</sup> श<sup>^</sup> ष<sup>^</sup> स्<sup>^</sup> ह<sup>^</sup> ळ<sup>^</sup> ..

&lt;feature tag&gt; pref : Rakaar form substitution

क<sup>^</sup> ख<sup>^</sup> ग<sup>^</sup> घ<sup>^</sup> ङ<sup>^</sup> च<sup>^</sup> छ<sup>^</sup> ज<sup>^</sup> झ<sup>^</sup> ञ<sup>^</sup> ट<sup>^</sup> ठ<sup>^</sup> ड<sup>^</sup> ढ<sup>^</sup> ण<sup>^</sup> त<sup>^</sup> थ<sup>^</sup> द<sup>^</sup> ध<sup>^</sup> न<sup>^</sup> प<sup>^</sup> फ<sup>^</sup> ब<sup>^</sup> भ<sup>^</sup> म<sup>^</sup> य<sup>^</sup> ल<sup>^</sup> व<sup>^</sup> श<sup>^</sup> ष<sup>^</sup> स्<sup>^</sup> ह<sup>^</sup> ळ<sup>^</sup> ..

&lt;feature tag&gt; blwf : Below-base form substitution

क<sup>^</sup> ख<sup>^</sup> ग<sup>^</sup> घ<sup>^</sup> ङ<sup>^</sup> च<sup>^</sup> छ<sup>^</sup> ज<sup>^</sup> झ<sup>^</sup> ञ<sup>^</sup> ट<sup>^</sup> ठ<sup>^</sup> ड<sup>^</sup> ढ<sup>^</sup> ण<sup>^</sup> त<sup>^</sup> थ<sup>^</sup> द<sup>^</sup> ध<sup>^</sup> न<sup>^</sup> प<sup>^</sup> फ<sup>^</sup> ब<sup>^</sup> भ<sup>^</sup> म<sup>^</sup> य<sup>^</sup> ल<sup>^</sup> व<sup>^</sup> श<sup>^</sup> ष<sup>^</sup> स्<sup>^</sup> ह<sup>^</sup> ळ<sup>^</sup> ..

<feature tag> half : Half-form substitution

क ख ग घ ङ छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण् त त्त थ द ध न  
प फ ब भ म य ल व श ष स ह ळ क्ष ज्ञ

<feature tag> cjct : Conjunct form substitution

ॢ ॢ ॢ ॢ ॢ ॢ ॢ ॢ

### >>Mandatory Presentation forms :

<feature tag> pres : Pre-base substitution

ff

कि खि गि घि डि चि छि जि झि जि टि ठि डि ढि णि ति थि दि धि नि  
पि फि बि भि मि यि रि लि वि शि षि सि हि ळि क्षि झि

किं खिं गिं घिं डिं चिं छिं जिं झिं जिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं  
पिं फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं ळिं क्षिं जिं

किं खिं गिं घिं ङिं चिं छिं जिं झिं ञिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं  
पिं फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं ळिं क्षिं झिं

[illegible]

ल्लि त्रि च्चि ज्ञि सि श्वि श्रि श्लि श्विष्टि ष्टि क्ति त्ति द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि  
त्ति गि वि गि

[illegible]

ल न अ ञ स श्र श्र क्ष श्व ष ष क त द द्वा द्य द्वा क्वा

<feature tag> abvs : Above-base substitution

के खे गे घे ङे चे छे जे झे जे टे ठे डे ढे णे ते थे दे धे ने पे फे बे भे मे  
ये रे ले वे शे षे से हे ळे क्षे ज्ञे

कै खै गै घै ङै चै छै जै झै ञै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पै फै बै भै मै  
यै रै लै वै शै षै सै है ळै क्षै ज्ञै

कैं खैं गैं घैं ङैं चैं छैं जैं झैं ञैं टैं ठैं डैं ढैं णैं तैं थैं दैं धैं नैं पैं फैं बें भें में  
यें रें लें वें शें षें सैं हें ळैं क्षैं ज्ञैं

कै खै गै घै ङै चै छै जै झै जै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पै फ़ै बै भै मै  
यै रै लै वै शै षै सै है ळै क्षै झै

कै खै गै घै ङै चै छै जै झै ञै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पै फैं बें भैं में  
यै रैं लैं वैं शैं षैं सैं हैं ळैं क्षैं ज्ञैं

को खो गो घो डो चो छो जो झो जो टो ठो डो ढो णो तो थो दो धो नो  
पो फो बो भो मो यो रो लो वो शो षो सो हो ळो क्षो

कों खों गों घों ङों चों छों जों झों ञों टों ठों डों ढों णों तों थों दों धों नों  
पों फों बों भों मों यों रों लों वों शों षों सों हों ळों क्षों

कौ खौ गौ घौ डौ चौ छौ जौ झौ जौ टौ ठौ डौ ढौ णौ तौ थौ दौ धौ नौ  
पौ फौ बौ भौ मौ यौ रौ लौ वौ शौ षौ सौ हौ ळौ क्षौ

कों खों गों घों ङों चों छों जों झों ञों टों ठों डों ढों णों तों थों दों धों नों  
पों फों बों भों मों यों रों लों वों शों षों सों हों ळों क्षों

<feature tag> abvs : Below-base substitution

उ ँ ॠ ॡ  
छ ट ठ ड ढ कु  
छ ट ठ ड ढ कु  
छ ट ठ ड ढ कु

छ ट ठ ड ढ कु

<feature tag> psts : Post-base substitution

ी ी

की खी गी घी डी ची छी जी झी जी टी ठी डी ढी णी ती थी दी धी नी  
पी फी बी भी मी यी री ली वी शी षी सी ही ळी क्षी झी  
की खी गी घी डी ची छी जी झी जी टी ठी डी ढी णी ती थी दी धी नी  
पी फी बी भी मी यी री ली वी शी षी सी ही ळी क्षी झी  
की खी गी घी डी ची छी जी झी जी टी ठी डी ढी णी ती थी दी धी नी  
पी फी बी भी मी यी री ली वी शी षी सी ही ळी क्षी झी

<feature tag> haln : Halant form substitution

क् ख् ग् घ् ङ् च् छ् ज् झ् ञ् ट् ठ् ड् ढ् ण् त् थ् द् ध् न् प् फ् ब् भ् म्  
य् ल् व् श् ष् स् ह् ख् क्ष् ज्ञ्  
च

## Glyph Testing Section :

कि द्वि द्विट झि ह्रि ह्रि चि हि हि स्त्रि गि न क शृ ख्वीं ख्वेँ ख्वेँ कीं किं  
हु ह्रु दृ किं कु खि खि गि कीं हि  
च

विदर्भ

शिक्षक असावेत "बेस्ट ऑफ दी बेन्स"

परदेशी विद्यार्थ्यांसाठी केवायसी नियम शिथिल

तंटामुक्तीतील ८७ जिल्ह्यांना पुरस्कार रकमेची प्रतीक्षा

ठ ठ ह्र ह्रु कृ

अधिकारी

अश्वमेध अश्विनी अस्मिता

पेश्याच्या

मुंब्रात

मुंब्रा

ब्रय

खेँ

रह र्य

रक

द्वय

शु